जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 187 प्रभात उदयपुर, रविवार 11 मई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बाज नहीं आया पाकिस्तान, तोड़ा सीज़फायर

दोनों देशों के बीच शाम 5 बजे से सीज़फायर शुरु हुआ था, पर 8 बजते ही पाकिस्तान ने गोलीबारी शुरु कर दी

- इसी के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में फिर से ब्लैक आउट कर दिया गया।
- गोलाबारी के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने एक्स पर ट्वीट किया, आखिर सीज़फायर का क्या हुआ।
- राजस्थान में भी पोखरण व जैसलमेर में धमाकों की आवाज़ें सुनी जा रही हैं। कश्मीर में राजौरी, अखनूर, आरएसपुरा व बारामूला में पाकिस्तान ने गोलीबारी की है।
- पंजाब के फिरोज़पुर, पठानकोट व अन्य इलाकों में पाकिस्तान की ओर से बमबारी की गई है।
- प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

नई दिल्ली, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीजफायर लागू हो गया। इसके 3 घंटे बाद ही, पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया। रात 8 बजे से पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर के अखनूर, पुंछ, नौशेरा, श्रीनगर, आरएसपुरा, सांबा, उधमपुर में फायरिंग की जा रही है। राजौरी में शेलिंग (तोप और मोर्टार) की गई। उधमपुर में ड्रोन से हमला हुआ।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आज भी धमाकों की आवाज सुनी गई। सीएम उमर अबदुल्ला ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ? श्रीनगर में धमाकों की आवाजें सुनी गईं।

सीजफायर के ऐलान के बाद, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब के बॉर्डर वाले जिलों में ब्लैकआउट रद्द कर दिया था। लेकिन, पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट कर दिया गया है। बॉर्डर वाले जिलों की बिजली काट दी गई है। लोगों को घर से न निकलने की एडवाइजरी जारी की गई है।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में गोलीबारी जारी है। फायरिंग के बाद तेज ब्लास्ट की आवाज सुनी गई।

फिरोजपुर और पठानकोट में जिला प्रशासन ने फिर से ब्लैकआउट का आदेश दिया है। सीजफायर के ऐलान के बाद, ब्लैकआउट टाल दिया गया था, लेकिन पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट किया गया। पहले की तरह जिले में बिजली गुल हो गई है। लोगों से घरों में रहने को कहा गया है।

जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के अखनूर, राजौरी और आरएसपुरा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान द्वारा आर्टिलरी से गोलाबारी की गई है। वहीं, बारामुला में एक ड्रोन से अटैक हुआ है। पाकिस्तान ने जम्मू के पलनवाला सेक्टर में भी संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। वहीं, भारतीय सेना इस गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। सरकार ने बीएसएफ को पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन का मुंहतोड़ जवाब देने को कहा है। इन घटनाओं के बाद जम्मू के बड़े हिस्से में ब्लैकआउट कर दिया गया है। बारामुला में भी ब्लैकआउट किया गया है। श्रीनगर के कई इलाकों में ब्लैकआउट है। इसके अलावा, राजस्थान के पोखरण और जैसलमेर में धमाकों की आवाजें सुनाई दीं।

उधमपुर में पाकिस्तान के ड्रोन दिखे। भारत के डिफेंस सिस्टम ने इन्हें मार गिराया। उधमपुर में ब्लैकआउट है।

वहीं, सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारत की तीनों सेना अभी भी एक्टिव मोड में है। उन्होंने बताया कि वाघा बॉर्डर नहीं खुलेगा और दोनों देशों के बीच व्यापार भी नहीं होगा। अगले 48 घंटे तक थल सेना पिनाका और एस 400 मिसाइल सिस्टम से पाकिस्तान पर नजर बनाकर रखेगी। सूत्रों ने बताया कि जो एयरपोर्ट अभी बंद हैं, 12 घंटे की मॉनिटरिंग के बाद खोले जा सकते हैं। हालांकि, सभी एयर डिफेंस अभी अगले आदेश तक सक्रिय रहेंगे।

पाकिस्तान ने तोड़ा सीज़फायर

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) पर और राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर से लगी भारत-पाकिस्तान सीमा पर भारी गोलाबारी शुरु हो चुकी है। पाकिस्तान की फायरिंग की सीधी जद में ये क्षेत्र आ गए हैं।

कुछ शहरों में पूरी तरह से ब्लैकआउट हो गया है।

अब सवाल यह उठता है कि उस युद्धविराम का क्या हुआ, जिसकी घोषणा डॉनल्ड ट्रंप ने बड़ी धूमधाम से की थी और जिसमें भारत और पाकिस्तान, दोनों की सहमति बताई गई थी?

- चर्चा है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर को अमेरिका का आदेश स्वीकार नहीं है।

अब, जबकि पाकिस्तान ने युद्धविराम का उल्लंघन कर दिया है, तो भारत भी प्रतिक्रिया में कार्रवाई शुरु कर देगा और पाकिस्तान पर बमबारी कर सकता है।

क्या इसके पीछे कारण यह है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर भारत के साथ शत्रुता समाप्त करने और अमेरिका के आदेशों को मानने से इनकार कर रहे हैं।

यह कोई रहस्य नहीं है कि मुनीर एक कट्टरपंथी विचारधारा वाले सैन्य प्रमुख हैं, जो किसी भी कीमत पर भारत को चुनौती देना चाहते हैं। अब देखना यह है कि इस युद्धविराम का अंततः क्या अंजाम होता है।

क्या भारत-पाक विवाद में ''थर्ड पार्टी'' की एंट्री हो गई है?

दोनों देशों के बीच सीज़फायर की घोषणा को द्विपक्षीय मामलों में ''थर्ड पार्टी की एंट्री'' करार दिया जा रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। एक चौंकाने वाली और अप्रत्याशित घोषणा में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल प्रभाव से युद्धविराम की घोषणा कर दी।

अब चर्चा यह शुरु हो गई है कि भारत और पाकिस्तान के विवाद में किसी तीसरे पक्ष की आधिकारिक एंट्री से भारत सरकार की विश्वसनीयता पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है।

कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री को अब न केवल अपनी पार्टी के भीतर, बल्कि बाहर से भी आलोचना झेलनी पड़ेगी- जिसे अब अमेरिका के सामने समर्पण के रुप में देखा जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि अगर अब मोदी को पाकिस्तान और मुस्लिम मोर्चे पर भी पराजय झेलनी पड़े, और वह भी राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे पर, तो यह उनके लिए, संघ और भाजपा के भीतर बड़ा संकट ला सकता है।

प्रश्न यह पूछा जा रहा है कि ''आतंकवादियों का अंत तक पीछा करेंगे,'' किसी को बख्शा नहीं जाएगा।'' जैसे नारों का क्या हुआ? और तीन दिन तक चले युद्ध के बाद सरकार और भारत को क्या मिला?

- ज्ञातव्य है कि भारत-पाक विवाद में जहाँ भारत ने हमेशा से थर्ड पार्टी को मध्यस्थता का विरोध किया है, वहीं पाकिस्तान हमेशा ''थर्ड पार्टी'' को लाने का समर्थन करता रहा है।
- ''सीज़फायर'' की अचानक घोषणा के बाद भारत में सवाल पूछा जा रहा है कि तीन दिन के इस युद्ध से भारत को क्या मिला, क्या अमेरिका के दबाव में भारत झुक गया है? खासतौर पर संघ व भाजपा में असंतोष उभर सकता है।
- विभिन्न दलों की आंतरिक राजनीति भी उभर गई है। कांग्रेस इंदिरा गांधी और 1971 के वॉर की यादें ताजा कर रही है। पर, प्र.मंत्री मोदी का सीधे ही सामना करने को तैयार नहीं है, सवाल है, पर क्यों?
- यह जो भी कुछ हुआ, उसके नतीजे आगामी दिनों में दिखेंगे। पर, फिलहाल युद्ध का माहौल है तो सब चुप्पी लगाकर बैठे हैं।

भारत युद्धविराम के लिए क्यों राजी हुआ, इसकी अंदरुनी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है, लेकिन जो साफ दिखाई दे रहा है, वह यह है कि अब विभिन्न राजनीतिक दलों की आंतरिक राजनीति सतह पर आने वाली है, और सर्वसम्मति समाप्त हो चुकी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान के सात सीमावर्ती जिलों में फिर से ब्लैक आउट शुरु

दिन में सीज़फायर की घोषणा के साथ ''ब्लैक आउट'' करने का आदेश रद्द कर दिया गया था

- जिन सात जिलों में ब्लैक आउट किया जा रहा है वे हैं, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, पाली, बीकानेर, हनुमानगढ़ तथा श्रीगंगानगर।
- सीज़फायर की घोषणा के बाद इन जिलों में बाजार खुल गए थे बिजली की आपूर्ति शुरु हो गई थी।

जयपुर, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीज़फायर की घोषणा हुई थी। इसके कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान ने सीज़फायर का उल्लंघन कर दिया है। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में फायरिंग कर दी।

बाड़मेर के जालीपा में तेज धमाका हुआ है और ड्रोन देखे जाने के बाद ब्लैक आउट हो चुका है। इसके बाद तेज धमाके की आवाज सुनी गई है। पुलिस लोगों को सड़क से हटा रही है। श्रीगंगानगर में भी ड्रोन दिखाई दिए हैं।

राजस्थान के बॉर्डर से सटे जिलों, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी, पाली, बीकानेर, हनुमानगढ़ , श्रीगंगानगर में फिर से ब्लैकआउट जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही आतिशबाजी करने और ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है।

इससे पहले सीज़फायर की घोषणा के बाद शनिवार शाम को राजस्थान के बॉर्डर वाले जिलों में बाज़ार खुल गए थे और सड़कों पर आवाजाही बढ़ गई थी। लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए थे।

राजस्थान के सरहदी जिलों में पाकिस्तान 3 दिन से अटैक कर रहा था। हालांकि, उसके सभी अटैक नाकाम रहे थे। बढ़ ते तनाव के बीच रेलवे ने राजस्थान से चलने वाली 20 ट्रेनें रद्द कर दीं। नागौर और हनुमानगढ़ में स्कूल-आंगनबाड़ी बंद करने के आदेश दिए गए।

बाड़मेर जिला कलेक्टर टीना डाबी ने जिले में एक बार फिर ब्लैकआउट घोषित कर दिया है। इसके साथ ही लगातार सायरन भी बजाया जा रहा है। एहतियातन लोगों से घरों में जाने और ब्लैकआउट का पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पुलिस आमजन से घरों के अंदर रहने की अपील कर रही है। सीज़फायर उल्लंघन की सूचना मिलने के बाद महज 5 से 10 मिनट में पूरा बाजार बंद हो गया और लोग अपने घरों की ओर लौटने लगे।

जैसलमेर में रात 8.30 बजे से सुबह 6 बजे तक, जोधपुर में रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक, बीकानेर में शाम 7 बजे से सुबह 5 बजे तक,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार सर्वदलीय बैठक कर संसद का विशेष सत्र बुलाये

नयी दिल्ली, 10 मई। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका की तरफ से हुई अभूतपूर्व घोषणा के मद्देनजर राष्ट्रीय हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शीघ्र एक सर्वदलीय बैठक बुलाकर तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए, ताकि भविष्य के मुद्दे पर एकजुट होकर सामूहिक चर्चा की जा सके।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने संघर्ष विराम की घोषणा के बाद यहां जारी एक बयान में कहा, वाशिंगटन डीसी से आई अभूतपूर्व घोषणाओं के संदर्भ में अब यह राष्ट्रीय आवश्यकता बन गई है कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर प्रधानमंत्री उसकी अध्यक्षता करें और देश के राजनीतिक दलों को विश्वास में लें, ताकि संकट की घड़ी में राष्ट्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

- अमेरिका की सीज़फायर की अभूतपूर्व घोषणा के बाद कांग्रेस ने यह मांग की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ट्रंप ने सीज़फायर के लिए ''डील'' की पाकिस्तान से?

चर्चा है कि ट्रंप ने आईएमएफ पैकेज के बदले पाकिस्तान से सीज़फायर की डील की है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। जितनी तेजी से शुरू हुआ था, उससे अधिक तेजी से यह समाप्त भी हो रहा है। भारत-पाक संघर्ष में तनाव कम हो रहा है और एक सीज़फायर की घोषणा की गई है। लेकिन इस नाटकीय बदलाव में युद्ध में शामिल दोनों पक्षों और बाहरी शक्तियों की क्या भूमिकाएं रहीं, यह अब भी रहस्य बना हुआ है।

आश्चर्यजनक रूप से, स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि अमेरिका ने दावा किया कि उसकी मध्यस्थता ने चमत्कार कर दिया और दोनों राष्ट्रों ने सीज़फायर पर सहमति दे दी है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी यही कह रहा है। कहा जा रहा है कि सौदाबाज़ी के लिए मशहूर डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को आई.एम.एम. पैकेज, जिसकी पाकिस्तान को अपनी तत्काल आवश्यकताओं के लिए सख्त ज़रूरत थी, के बदले सीज़फायर के लिए राज़ी किया।

- सूत्रों ने बताया कि आईएमएफ पैकेज के तुरंत बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पाकिस्तान के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ से बात की, उसके बाद उक्त अधिकारी ने एस. जयशंकर से बात की थी।
- विशेषज्ञों ने बताया, इसके बाद दोनों देशों की डीजीएमओ ने वार्ता की और इस प्रकार सीज़फायर के लिए वार्ता की शुरुआत हुई।

अगर इसमें कुछ भी सच्चाई है, तो ट्रंप कम से कम इस बात का श्रेय ले सकते हैं कि उन्होंने एक बड़े संकट को टाल दिया, भले ही यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का उनका दावा अब तक सच नहीं हुआ हो।

फिर भी, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इन हस्तक्षेपों से इन्कार किया और स्पष्ट कहा कि इसमें किसी बाहरी प्रभाव की भूमिका नहीं रही। बातचीत दोनों पक्षों के बीच ही शुरू हुई और सीज़फायर द्विपक्षीय सहमति से हुआ।

हालाँकि, माहौल में इसके संकेत पहले से मौजूद थे-कम से कम तब से, जब कल रात आई.एम.एफ. बेल-आउट पैकेज को वॉशिंगटन में मंजूरी मिली।

तथापि, जब आई.एम.एफ. ने पाकिस्तान के लिए राहत पैकेज की मंजूरी दी, तब संभवतः उसमें पाकिस्तान के आचरण के लिए कुछ अनकही, गैर-वित्तीय शर्तें भी थीं। आखिर, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं दिवालिया देशों को केवल हथियारों और आतिशबाज़ी के लिए फंड नहीं देतीं।

आई.एम.एफ. पैकेज के तुरंत बाद, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने सीधे पाकिस्तान के ''बेकाबू'' सेना प्रमुख को फोन किया। खास बात यह रही कि रूबियो ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री को फोन नहीं किया। इससे पहले वे प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ से बात कर चुके थे।

रूबियो की पाकिस्तान के सेना प्रमुख से हुई बातचीत के तुरंत बाद, उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर को भी कॉल किया गया। जयशंकर, जो अपने तीखे और तेज़ जवाबों के लिए जाने जाते हैं, ने शायद अपने अमेरिकी समकक्ष को कुछ सच्चाइयां स्पष्ट रूप से कह दी हों।

इसके बाद, सुबह के समय पाकिस्तान और भारत के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ)के बीच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमृतसर सीमा पर हथियार, विस्फोटक का पैकेट पकड़ा

जालंधर, 10 मई। सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति के बावजूद, सीमा पार से हथियार गिरोह ने भारतीय धरती पर हथियार पहुंचाने की अपनी दुर्भावनापूर्ण साजिशों को नहीं रोका है।

बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर आज अमृतसर सीमा पर हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किये हैं।

- यह ड्रोन के द्वारा गिराया गया था तथा सीमा पार से हथियार गिरोह द्वारा भारत में हथियार पहुँचाने की साजिश का हिस्सा है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ खुफिया इकाई की विश्वसनीय सूचना के आधार पर, पंजाब पुलिस के सहयोग से बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर जिले के संदिग्ध सीमावर्ती क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया और दोपहर करीब 12:30 बजे 2.7 किलोग्राम उच्च विस्फोटक, दो हैंड ग्रेनेड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रातभर की लम्बी वार्ता के बाद भारत और पाक पूर्ण एवं त्वरित युद्ध विराम पर सहमत हुए'

डॉनल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर भारत और पाकिस्तान की तरफ से युद्ध विराम की घोषणा की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 मई। अपनी सर्वोच्चता और भारत व पाकिस्तान पर पकड़ का स्पष्ट प्रदर्शन करते हुए, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान ''तुरंत पूर्ण युद्ध विराम'' के लिए मान गए हैं। दोनों देशों की राजधानियों को यह जानकारी देने से पहले ही ट्रम्प ने सार्वजनिक घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक को बाद से ही टकराव चल रहा है।

ट्रम्प ने कहा कि यूएस की मध्यस्थता की वजह से सीज़फायर हुआ है। परमाणु शक्ति सम्पन्न दोनों देशों के बीच में टकराव बढ़ता ही जाएगा।

अपने सोशल प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, रात भर चली लंबी वार्ता, जिसमें अमेरिका ने मध्यस्थता की थी, के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान ''फुल एण्ड इमिजिएट सीज़फायर'' (पूर्ण एवं तुरंत युद्ध विराम) लागू करने के लिए सहमत हो गए है।'' समझदारी और बुद्धिमानी दिखाने के लिए दोनों देशों को बधाई।''

विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने घोषणा की, पाकिस्तान के डायरैक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) ने भारत के डीजीएमओ को आज दोपहर बाद 3 बजकर पैंतीस मिनट पर फोन किया, उनके बीच यह सहमति बनी कि भारतीय समयानुसार, शाम 5 बजे से जमीन, हवा, समुद्र में सभी तरह के गोलीबारी व सैन्य कार्यवाही बंद कर दी जाएगी। दोनों पक्षों को इस बारे में निर्देश दिए गए हैं। दोनों देशों के डीजीएमओ 12 मई को फिर से बात करेंगे।

- ट्रम्प ने साफ तौर पर दावा किया कि यह सीज़फायर अमेरिका की मध्यस्थता की वजह से संभव हो पाया है।
- भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी सीज़फायर की पुष्टि करते हुए कहा, पाकिस्तान के डायरैक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स ने भारत के डीजीएमओ को फोन कर शाम 5 बजे से सैन्य कार्यवाही बंद करने की बात कही। दोनों पक्ष इस पर सहमत हैं।
- पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने एक्स पर ट्वीट कर सीज़फायर की पुष्टि की।
- अमेरिका का कहना है कि सैन्य टकराव बढ़ने के साथ ही वह चीन तथा अन्य जी-7 देशों के साथ हालात पर निगरानी करता रहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर लिखा कि पाकिस्तान और भारत ने तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम पर सहमति जताई है। पाकिस्तान ने हमेशा शांति व सुरक्षा के लिए प्रयास किया है, पर अपनी संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता से कभी समझौता नहीं किया।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने लिखा, ''गत 48 घंटों में उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस और मैंने भारत व पाक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा शहबाज शरीफ से, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर और भारत व पाक के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार क्रमशः अजीत डोभाल और असीम मलिक सहित, भारत और पाकिस्तान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वार्ता की है। हम शांति का मार्ग चुनने के लिए प्रधानमंत्री मोदी व शरीफ की सराहना करते हैं।''

अमेरिका के अधिकारी खुले आम दावा कर रहे हैं कि उन्होंने दोनों देशों को युद्ध विराम के लिए राजी किया है।

लेकिन भारतीय सूत्रों ने रुबियों के दावे का खंडन किया व कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर किसी भी अन्य जगह वार्ता के लिए निर्णय नहीं लिया गया है।

यह घोषणा कई सप्ताहों से बढ़ रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल में सुंदरवन के तटीय क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई

कोलकाता, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव के मद्देनजर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और खुफिया एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों, विशेष रूप से दक्षिण और उत्तर 24 परगना जिले में सुरक्षा कड़ी कर दी है।

बीएसएफ को आशंका है कि देश विरोधी तत्व बंगाल की खाड़ी के माध्यम से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने के लिए दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष का फैयदा उठा सकते हैं। केंद्रीय और राज्य खुफिया एजेंसियों ने दक्षिण और उत्तर 24 परगना में फैले सुंदरवन के 250 किलोमीटर के तटीय क्षेत्र पर निगरानी तेज कर दी है। यह कदम हाल ही में दक्षिण 24 परगना के एक तटीय

- एक तटीय गाँव से 24 अवैध बाँग्लादेशी घुसपैठियों की गिरफ्तारी के बाद यह कदम उठाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)